महाराणा प्रताप जयंती

हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा महाराणा प्रताप को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी गई।

प्रमुख बिंदु

- **विवरण:**
- राणा प्रताप सिंह, जिन्हें महाराणा प्रताप के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म 9 मई, 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था।
- वे मेवाड़ के 13वें राजा थे और उदय सिंह द्वितीय के सबसे बड़े पुत्र थे
    - महाराणा उदय सिंह द्वितीय ने अपनी राजधानी चित्तौड़ से मेवाड़ राज्य पर शासन किया।
    - उदय सिंह द्वितीय द्वारा उदयपुर (राजस्थान) शहर की स्थापना की गई।

हल्दीघाटी का युद्ध:

- वर्ष 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध मेवाड़ के राणा प्रताप सिंह और मुगल सम्राट अकबर की सेना के मध्य लडा गया था, जिसमें मुगल सेना का नेतृत्व आमेर के राजा मान सिंह द्वारा किया गया था।
- महाराणा प्रताप ने वीरतापूर्ण इस युद्ध को लड़ा, लेकिन मुगल सेना ने उन्हें पराजित कर दिया।
- ऐसा कहा जाता है कि महाराणा प्रताप को युद्ध के मैदान से बाहर निकालने के दौरान चेतक' (Chetak) नामक उनके वफादार घोड़े ने अपनी जान दे दी थी।

पुन: नियंत्रण:

- वर्ष 1579 के बाद मेवाड़ पर मुगलों का प्रभाव कम हो गया और महाराणा प्रताप ने कुंभलगढ़, उदयपुर और गोगुन्दा सहित पश्चिमी मेवाड़ को पुनः प्राप्त कर लिया गया।
- इस अवधि के दौरान उन्होंने वर्तमान डूंगरपुर के पास एक नई राजधानी चावंड (**Chavand**) का निर्माण भी किया।

मृत्यु:

- 19 जनवरी, 1597 को महाराणा प्रताप का निधन हो गया। महाराणा प्रताप की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राणा अमर सिंह राजगद्दी पर बैठा और मुगलों के विरुद्ध वीरतापूर्वक संघर्ष किया, हालाँकि वर्ष 1614 में राणा अमर सिंह ने अकबर के पुत्र सम्राट जहाँगीर के साथ संधि कर ली।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/birth-anniversary-of-maharana-pratap